IAS GS World PCS

Committed To Excellence

Prelims Capsule

प्रमुख अंग्रेजी अखबारों से...

Corp. Office:-
629, Ground Floor, Main Road,
Dr. Mukherjee Nagar, Delhi - 110009
Ph.:- 011-27658013, 7042772062/63

पहले राष्ट्रीय पर्यावरण सर्वेक्षण की घोषणा

टाइम्स ऑफ इंडिया (9 अक्टूबर)

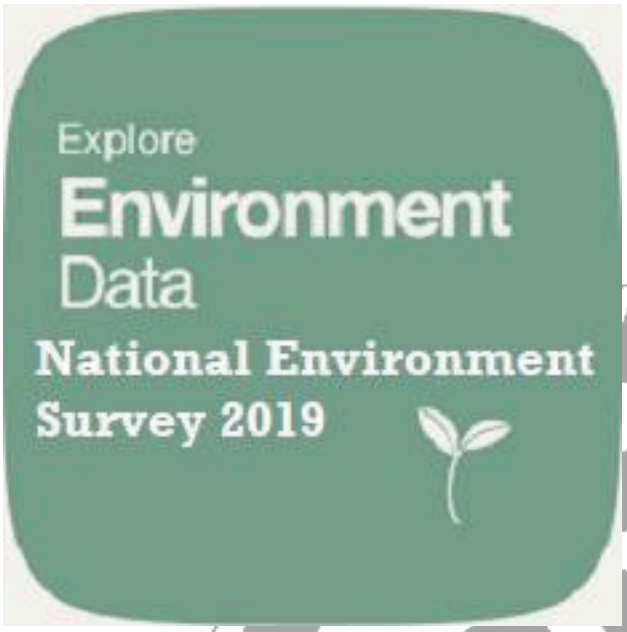

संदर्भ-

- हाल ही में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा यह घोषणा की गई कि जनवरी, 2019 से देश के 24 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के 55 जिलों में भारत का पहला राष्ट्रीय पर्यावरण सर्वेक्षण (एनईएस) आयोजित किया जायेगा।
- सर्वेक्षण के संपूर्ण ग्रीन डेटा का पहला सेट 2020 से उपलब्ध होगा जो कि जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तरों पर निर्णय लेने के लिये नीति निर्माताओं के हाथों में एक महत्त्वपूर्ण उपकरण प्रदान करेगा।

क्या है?

- सर्वेक्षण विभिन्न पर्यावरणीय मानकों जैसे- वायु, जल, मिट्टी की गुणवत्ता, उत्सर्जन सूची, ठोस, खतरनाक तथा ई-अपशिष्ट, वन तथा वन्यजीव, जीव तथा वनस्पति, आर्द्रभूमि, झीलों, नदियों और अन्य जल निकायों पर व्यापक डेटा एकत्र करने के लिये ग्रिड-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से किया जाएगा।
- यह देश भर के सभी जिलों की कार्बन आच्छादन क्षमता का भी आकलन करेगा।
- राष्ट्रीय पर्यावरण सर्वेक्षण सभी जिलों को उनके पर्यावरण प्रदर्शन पर रैंक प्रदान करेगा और वहां मौजूद सबसे हरित क्षेत्र आदि के बारे में बताएगा।

मुख्य बिंदु-

- सर्वेक्षण के बाद अगले वर्ष अर्थात 2020 से डेटा उपलब्ध होगा क्योंकि एकत्रित डेटा को संकलित करने में इतना समय लग जायेगा।
- देश के सभी 716 जिलों में तीन से चार साल की अवधि में सर्वेक्षण किये जाने की उम्मीद है।
- वर्तमान में, सभी 55 जिलों में आवश्यक प्रारंभिक कार्य और प्रशिक्षण किया जा रहा है जहाँ अगले वर्ष राष्ट्रीय पर्यावरण सर्वेक्षण आयोजित किया जाएगा।
- इन 55 जिलों में दक्षिण दिल्ली, महाराष्ट्र में पुणे और पालघर, हरियाणा में गुरुग्राम और मेवाट (नुह) शामिल हैं।
- हिमाचल प्रदेश में कुल्लू, बिहार में नालंदा, झारखंड में धनबाद, गुजरात में जामनगर एवं मेहसाना, राजस्थान में अलवर एवं बाड़मेर, तमिलनाडु में कोयम्बटूर एवं मदुरै, कर्नाटक में शिमोगा तथा तेलंगाना में हैदराबाद शामिल हैं।

सर्वेक्षण के लाभ-

- यह सर्वेक्षण नीति निर्माताओं को सटीक डेटा प्रदान करेगा जिससे वे पर्यावरण संबंधित उचित निर्णय ले सकेंगे।
- अभी तक देश में इस प्रकार का कोई सर्वेक्षण नहीं हुआ था जिसके चलते किसी क्षेत्र विशेष के लिए योजनाएं लागू करने से पूर्व इसकी आवश्यकता महसूस होती थी।
- वर्तमान में देश के अधिकांश मानकों पर द्वितीयक डेटा उपलब्ध है।
- राष्ट्रीय पर्यावरण सर्वेक्षण पहली बार सभी हरित भागों पर प्राथमिक डेटा प्रदान करेगा।
- यह उसी प्रकार का होगा जैसे राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण समय-समय पर विभिन्न सामाजिक-आर्थिक डेटा एकत्र करता है।

विश्व की पहली बायोइलेक्ट्रिक मेडिसिन

एशियन ऐज (10 अक्टूबर)

संदर्भ-

- हाल ही में अमेरिका की नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी तथा वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन द्वारा दावा किया गया है कि उन्होंने विश्व की पहली बायोइलेक्ट्रिक मेडिसिन विकसित की है।
- वैज्ञानिकों का कहना है कि इस दवा को शरीर में इम्प्लांट किया जा सकता है। यह एक बायोडिग्रेडेबल वायरलेस डिवाइस है जो तंत्रिकाओं के रीजनरेशन तथा क्षतिग्रस्त तंत्रिकाओं के उपचार में सहायक है।

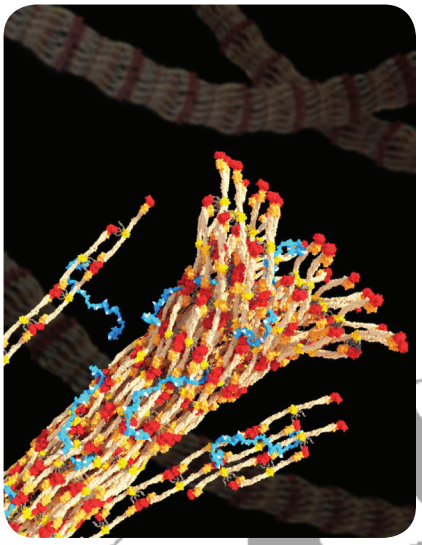

- माना जा रहा है कि यह खोज भविष्य में तंत्रिका कोशिकाओं के उपचार के लिए काफी उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

मुख्य बिंदु-

- बायोइलेक्ट्रॉनिक दवा एक किस्म की वायरलेस डिवाइस होती है, इसे शरीर के बाहर एक ट्रांसमीटर द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है।
- माना जा रहा है कि एक बार इम्प्लांट करने के बाद यह अगले दो सप्ताह तक शरीर में कार्य कर सकती है।
- इस अवधि के उपरांत यह दवा स्वत: ही शरीर में अवशोषित हो जाती है।
- इसका आकार एक छोटे सिक्के जितना होता है तथा मोटाई कागज के समान होती है।
- वैज्ञानिकों ने कहा है कि इसका प्रयोग चूहों पर किया गया जिसके बाद सकारात्मक परिणाम पाए गये।
- प्रयोग के बाद पाया गया कि चूहों में बायोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस सर्जिकल रिपेयर प्रक्रिया के बाद नियमित रूप से तंत्रिकाओं के क्षतिग्रस्त हिस्से को इलेक्ट्रिक इम्पल्स देती है।

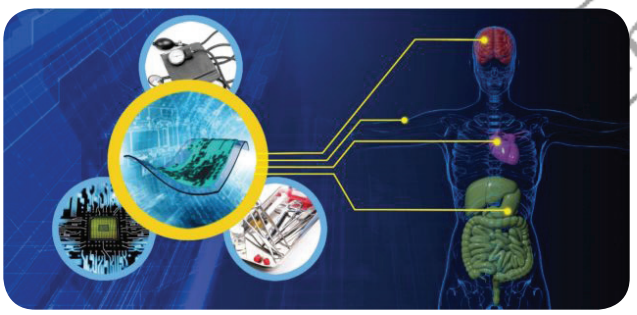

लाभ-

- इस प्रकार की दवा से सीधे ही शरीर के क्षतिग्रस्त भाग अथवा उपचार की आवश्यकता वाले भाग पर कार्य किया जा सकता है।
- पारंपरिक दवा से होने वाले साइड इफेक्ट की तरह इसमें यह खतरा कम होगा।
- इस इम्प्लांट को शरीर में स्थापित करने के बाद उसकी देखरेख करने की अधिक चिंता नहीं होगी क्योंकि यह स्वत: ही अवशोषित हो जाती है।

- भविष्य में इस प्रकार की दवा फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में एक नई क्रांति का कारण बन सकती है।

बीसीजी रिपोर्ट

बिजनेस टुडे (10 अक्टूबर)

संदर्भ-

- हाल ही में बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के मुताबिक साल 2022 तक भारत दुनिया का 11वां सबसे अमीर देश बन जाएगा।
- यह रिपोर्ट बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने जारी की है।
- निजी संपत्ति के मामले में 2022 तक भारत दुनिया का 11वां सबसे अमीर देश बन जाएगा। इस तरह वर्ष 2017 के मुकाबले भारत की रैंकिंग चार पायदान से बढ़ जाएगी।

निजी संपत्ति-

- इस दौरान देश की निजी संपत्ति में 13 प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान है। तीन साल बाद यह मौजूदा 3 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 5 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगी।

रिपोर्ट से संबंधित मुख्य तथ्य-

- बीसीजी की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022 तक भारत की रैंक में चार पायदान का सुधार होगा। यह स्विटजरलैंड, हॉन्गकॉन्ग, नीदरलैंड और ताइवान को पीछे छोड़ देगा।
- रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2012 से भारत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) 12% रही है। चीन के बाद भारत ही ऐसा देश है जिसका सीएजीआर पर्सनल वेल्थ के हिसाब से डबल डिजिट (दो अंकों) में रहा।

- भारत समृद्ध, हाई नेटवर्थ और अल्ट्रा हाई नेटवर्थ कैटेगिरी में एशिया का पांचवां सबसे बड़ा बाजार है। यहां समृद्ध लोगों की संख्या 3 लाख 22 हजार है। इस श्रेणी में 10 लाख डॉलर तक संपत्ति वाले लोग शामिल हैं।
- देश में हाई नेटवर्थ वाले अमीरों की संख्या 87 हजार है। इनकी संपत्ति 10 लाख डॉलर से 2 करोड़ डॉलर के बीच है।
- अल्ट्रा हाई नेटवर्थ कैटेगिरी वाले 4 हजार लोग हैं। इनकी वेल्थ 2 करोड़ डॉलर से ज्यादा है।

- व्यक्तिगत संपत्ति (पर्सनल वेल्थ) में फिलहाल अमेरिका 80 लाख करोड़ डॉलर के साथ टॉप पर है। साल 2022 तक यह 100 लाख करोड़ डॉलर पहुंचने की उम्मीद है।
- चीन की निजी संपत्ति 21 लाख करोड़ डॉलर है। तीन साल में यह दोगुनी होकर 43 लाख करोड़ डॉलर पहुंचने की उम्मीद है।

उत्कृष्ट प्रथा पुरस्कार

PIB (8 अक्टूबर)

संदर्भ-

- हाल ही में मलेशिया के कुआलालम्पुर नगर में आयोजित एशियाई एवं प्रशांत महासागरीय क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा मंच (Regional Social Security Forum for Asia and the Pacific) में भारत के कर्मचारी राज्य बीमा निगम (Employees State Insurance Corporation – ESIC) को ISSA उत्कृष्ट प्रथा पुरस्कार (ISSA Good Practice Award) दिया गया।
- ISSA का पूरा रूप International Social Security Association है, अर्थात् अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ।
- ESIC को यह पुरस्कार बीमा के अन्दर विस्तार लाने की दिशा में उसके द्वारा किये गये प्रशासनिक उपायों के लिए दिया गया है।
- ESIC ने कुछ सकारात्मक कदम उठाये हैं, यथा- नियोक्ता और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए लाई गई योजना Scheme for Promoting Registration of Employers and Employees (SPREE) का विस्तार।

- पहले दो वर्षों के लिए योगदान की दर को घटाना तथा ESI अधिनियम (ESI Act) के अंतर्गत पारिश्रमिक की सीमा को बढ़ाना आदि।

एशियाई एवं प्रशांत महासागरीय क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा मंच-

- एशियाई एवं प्रशांत महासागरीय क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा मंच की बैठक तीन-तीन वर्ष पर होती है।
- इसमें एशियाई और प्रशांत महासागरीय क्षेत्रों के लिए ISSA उत्कृष्ट प्रथा पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
Employees' State Insurance Corporation
(Ministry of Labour & Employment, Government of India)

- साथ ही इस मंच पर ISSA के सदस्य-संस्थानों के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारियों (CEO) और प्रबंधकों को मुख्य सामाजिक सुरक्षा चुनौतियों पर विमर्श करने और आपसी अनुभवों को साझा करने का अवसर प्राप्त होता है।

ISSA क्या है?

- ISSA एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसमें सामाजिक सुरक्षा संगठन, सरकार और सामाजिक सुरक्षा विभाग के सदस्य होते हैं।
- इसकी स्थापना 1927 में जेनेवा-स्थित अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (International Labour Organization – ILO) के तत्त्वावधान में हुआ था।
- यह संगठन अपने सदस्यों को गतिशील सामाजिक सुरक्षा प्रणालियाँ विकसित करने में व्यावसायिक मार्गनिर्देश, विशेषज्ञता, सेवा एवं सहयोग प्रदान करता है।
- इस संगठन का दक्षिण एशिया के लिए एक संपर्क कार्यालय नई दिल्ली में ESI निगम के परिसर में है।
- यह सम्पर्क कार्यालय इस क्षेत्र के सदस्य देशों के साथ-साथ भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और ईरान के सामाजिक सुरक्षा संस्थानों की सामाजिक सुरक्षा विषयक गतिविधियों का समन्वय करता है।

1. राष्ट्रीय पर्यावरण सर्वेक्षण (NES) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. 2019 में देश के सभी जिलों का पर्यावरण सर्वेक्षण किया जायेगा।
2. इसके द्वारा पर्यावरण प्रदर्शन के आधार पर जिलों को रैंकिंग प्रदान की जायेगी।
3. यह सर्वेक्षण क्षेत्र विशेष योजना बनाने में सहायता करेगी।
4. यह जिलों की कार्बन आच्छादन क्षमता का आकलन करेगा।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) 1 और 3
(c) 1, 3 और 4
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. बायोइलेक्ट्रिक मेडिसिन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह एक प्रकार की वायरलेस डिवाइस है।
2. इस दवा को शरीर में इम्प्लांट किया जा सकता है।
3. यह दवा शरीर में स्वत: अवशोषित हो जाता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2
(d) उपर्युक्त सभी

3. बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के रिपोर्ट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. पर्सनल वेल्थ के हिसाब से डबल डिजिट में वृद्धि करने वाला भारत प्रथम देश है।
2. भारत 2022 तक 8वां सबसे अमीर देश बन जायेगा।
3. व्यक्तिगत संपत्ति के संदर्भ में अमेरिका शीर्ष स्थान पर है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) केवल 3
(d) उपर्युक्त सभी

4. अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. ISSA की स्थापना संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अधीन हुआ।
2. इस संगठन का क्षेत्रीय कार्यालय जीवन बीमा निगम (मुंबई) में स्थित है।
3. हाल में जीवन बीमा निगम को ISSA उत्कृष्ट प्रथा पुरस्कार दिया गया।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) 1 और 2
(c) 1 और 3
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

नोट-

10 अक्टूबर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संबंधित प्रश्न) का उत्तर 1.(d), 2.(c), 3.(d), 4.(b), 5(c) होगा।

GS World Committed To Excellence